ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- 02
ट्रैक नः- 200M0014
ट्रैक समयावधि:- 26:14
कलाकार का नामः- सुभान खाँ
पिता का नामः- खमे खां
पता:- गाव- बडनावा चारणान तेह- पचपदरा
जिला - बाड़मेर
सहायक कलाकार:-
ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग समय
विषय:- कथा - (राजा हंस और कौआ)
विशेष विवरण:-
दिनांक:- 15-07-2021
स्थान:-
गायन/ वाद्यन:-

यह कथा अन्याय पर आधारित है इस कथा के माध्यम से कवी ने पंचायती के मुख्यों पर व्यंग्य किया है और उस समय की न्याय व्यवस्था की आलोचना करते हुए पंचों पर व्यंग्य किया है।

कथा की शुरुआत में एक गाँव में हंस और हंसनी आते है तथा रात पड़ जाती है तो वे वह रात वहीं गुजारते है तथा सुबह होती है तो हंस उस गाँव का न्याय स्थान देखता है तो वह उसे सलाम करता है। हंस को न्याय स्थान को सलाम करते हुए कौआ देख लेता है और कौआ हंस को उस गाँव की न्याय व्यवस्था दिखाने के लिए हंसनी पास जाकर बैठ जाता है और हंस से कहता है कि यह मेरी पत्नी है तो उसे कहता है यह क्या बात रहे तुम यह मेरी पत्नी है तो कौआ जिद पर अड़ जाता है और कहता है मैं न्याय करवाऊंगा तो वह उस गाँव के मुख्या पंचों के पास जाता और उसे एक-एक रुपय जर्दा दिलाने का लालच देता है और सबको उस स्थान पर इकट्ठा करता है तथा वे पंच कहते है कि सुन हंस यह पत्नी तो इस कौए की ही है कुछ पहले यह विवाह करके लाया है तुम इसे कहा ले जा रहे हो तो न्याय हो जाता है सभी अपने- अपने घर चले जाते है। हंस बहुत दुखी होकर उड़ने लगता है तो कौआ उसके पास जाता है और कहता है कि आप जाओ मत अगर आपको अपनी पत्नी वापिस चाहिए तो मैंने तो पंचों को एक रुपय का लालच दिया था तुम दो रुपय के जर्दे का लालच देना यह न्याय को आपके पक्ष में कर देगा तथा हंस वापिस उन्हीं पंचो के पास जाता है और उन्हे दो रुपय के तम्बाकू का लालच देता है और फिर से इकट्ठा करता है तो पंच कहते है कि सुन कौआ यह हंसनी पत्नी तो हंस की ही है। कौए के घर में हंसनी यह तो हो नहीं सकता है यह पत्नी तो हंस की है तथा अब पंचों ने न्याय कर दिया और

कौआ भी मान जाता है तथा सभी अपने-अपने घर जाते हैं। और कौआ हंस और हंसनी से माफी मांगता है तथा कहता है कि मुझे आपको इस पंचों का न्याय दिखाना था क्योंकि आप ने इस न्याय को सल्लाम किया था। इस प्रकार हंस और हंसनी वापिस अपने मानसरोवर चले जाते हैं।